संपादकीय

संकट की कसौटी पर नाकामी का नेतृत्व

पिछले चुनावों में जिस नेता को आपने वोट दिया था, चुनाव जिताया था, सत्ता के सुख भोगने के मौके दिए थे, इन दिनों वह श्रीमान जी कहां हैं। वे जो हाथ जोड़े, दरवाजे-दरवाजे आए थे, किसी वृद्धा के पांव छुए थे, किसी बच्चे को गोद में लेकर दुलारा था, कहीं सड़क, कहीं पानी, कहीं अस्पताल, कहीं स्कूल, कहीं बेटी का विवाह तो कहीं बुजुर्गों की मदद जैसे वायदे किए थे, वे वादे तो पूरे नहीं ही हुए होंगे, क्योंकि चुनावी वादे परिणाम आते ही हवा में उड़ जाते हैं। जो पूरे हुए होंगे, वे किस भाई-भतीजा, प ी, ससुराल की भेंट चढ़े होंगे, कौन जाने। क्या आम आदमी एक वोट भर है कि वोट मांगते वक्त उसे ईश्वर बताया जाए और वोट मिलते ही इसलिए भुला दिया जाए कि अगले पांच साल बाद ही तो आना है इसके सामने । तब की तब देखी जाएगी।

सुख में सुमिरन सब करें, दुख में करे न कोय वाला हिसाब चारों ओर दिख रहा है। कहते तो ये हैं कि सुख के समय चाहे अकेले-अकेले रह लें, मगर दुख के समय जरूर इकट्ठे हों, जिससे कि दुख साझा किया जा सके, मिलकर उसका भार उठाया जा सके। लेकिन इस महामारी के वक्त जब न अपने परिजन आसपास हैं, हैं भी तो बीमारी का डर और डर इतना ज्यादा है कि बाहर निकलना तो दूर, फोन पर बात करने से भी कतरा रहे हैं। ऐसे में वे नेता जो इस देश का मालिक खुद को समझते हैं, उनका कुछ अता-पता नहीं है। वोटों के प्रतिशत और संख्या गिनने वालों ने लोगों को अकेला छोड़ दिया है। क्या इतने अकेले हम पहले कभी थे। जिन नेताओं ने स्वर्ग के सपने दिखाए थे, उन्होंने नर्क की ओर धकेल दिया है। इन नेताओं की सारी आवाजें कहां खो गईं। लोगों के भले के लिए रात-दिन दुबले हुए जाते थे। जैसे ही देश की जनता सचमुच की आफत में आई, ये लापता हो गए।

बस वीडियो जारी कर-करके बयानवीर बने हुए हैं, जैसे कि इनके बयानों से लोगों को अस्पताल में बेड मिल सकता है। आक्सीजन मिल सकती है। दवाएं कालेबाजार में नहीं, सही दामों पर प्राप्त की जा सकती हैं। एक वीडियो जारी किया और घर में सुरक्षित हो गए। क्योंकि अगर बीमार पड़े भी तो बड़े-बड़े अस्पतालों में हर सुविधा से सुसज्जित बिस्तर तैयार मिलेंगे। आखिर जिनके कंधों पर देश की जिम्मेदारी है, उन्हें आम लोगों से पहले तो सारी सुविधाएं देनी ही पड़ेंगी, वरना बताइए देश कैसे बचेगा।

यही नहीं जब देश इतनी मुसीबत में है, उन दिनों भी राजनीतिक दलों को चुनाव जीतने की पड़ी है। वाक् युद्ध में किसने किसको पछाड़ा, इस बात के लिए एक-दूसरे की पीठ थपथपाई जा रही है। चुनावी रैलियों में लाखों की भीड़ इकट्ठी की गई, फिर उसे अपना समर्थक बताकर अपना ही गुणगान किया गया, पीठ थपथपाई गई और आज हालत यह है कि उन जगहों पर भारी संख्या में लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। जिन लोगों को इकट्ठा किया, नारे लगवाए, रोड शो में शामिल किया, अब जब उनकी जान पर बन आएगी तो कौन-सा नेता उन्हें बचाने जाएगा। शायद कोई नहीं। इतनी नृशंसता की उम्मीद क्या आपने अपने नेताओं से की थी। लोग कराह रहे हैं, तड़प रहे हैं और नेता आज भी एक-दूसरे को परास्त करने की होड़ में लगे हैं। क्या ये सब नेता इस मुश्किल वक्त में इकट्ठे नहीं हो सकते थे। लोगों की मुसीबतों पर जबानी जमा-खर्च करने के मुकाबले वैसी ही हाड़-तोड़ मेहनत नहीं कर सकते थे जो चुनाव जीतने के वक्त करते हैं। और यदि वे ऐसा नहीं कर सकते तो हमारे संसाधनों पर पलने वाले ये नेता हमें क्यों चाहिए। देश को लूटकर जनसेवक बनने का इनका नकाब उतारकर फेंक देना चाहिए। हद तो यह है कि इस आफत में जहां लोग हर तरह की सुविधा और सहायता के अभाव में दम तोड़ रहे हैं, वहां पक्ष-विपक्ष के नेता कभी किसानों के नाम पर, कभी मजदूरों के नाम पर, कभी किसी नेता के नाम पर लोगों को भड़काने में लगे हैं। हाल ही में कांग्रेस के एक बड़े नेता ने कहा कि लोग सड़क पर उतरकर विद्रोह कर दें और लोगों को मूर्ख बनाने वाली सरकार को उखाड़कर फेंक दें। लोग सड़क पर उतरें और अपने घर तक कोरोना ले जाएं, फिर अपनी और परिवार के साथ जान गंवा दें। और तुम सिर्फ किसी पांच-सात सितारा होटल में बैठकर लोगों को सड़क पर उतारने का आह्वान करते रहो। मगर क्या कहें कि शर्म इनको नहीं आती। लोग अपने नेता और विधायक को भगवान मानते हैं, मगर इन भगवानों ने लोगों को सबसे ज्यादा धोखा दिया है। लोग जाएं तो जाएं कहां। हर तरह के शिकंजे में फंसे हैं। किस तरह अपने को तरह-तरह के माफिया से बचाएं।

- क्षमा शर्मा

दलहनों के आयात में छूट से मूल्य नियंत्रण में मिलेगी मदद : आइपीजीए

नई दिल्ली। इंडिया पल्सेज एंड ग्रेन एसोसिएशन (आइपीजीए) ने दलहनों के आयात में छूट दिए जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि सरकार के इस निर्णय से मूल्य नियंत्रण में मदद मिलेगी। एसोसिएशन के चेयरमैन जीतू भेड़ा ने आज यहां बताया कि सरकार ने अरहर, मूंग और उड़द आयात को प्रतिबंधित से मुक्त करने की नीति में त्वरित बदलाव कर प्रगतिशील कदम उठाया है। यह नीति 31 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी।

भेड़ा ने कहा है कि इससे किसानों के हितों की रक्षा होगी और दलहनों की बढ़ती कीमतों पर भी नियंत्रण किया जा सकेगा। सरकार ने यह फैसला चुनौतीपूर्ण समय में उचित समय पर किया है। इससे तेजी से दलहनों का आयात किया जा सकेगा और दलों की कमी को पूरा किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा है कि इससे ढाई लाख टन अरहर, डेढ़ लाख टन उड़द तथा 50 से 75 हजार टन मूंग का म्यांमार , अफ्रीका और निकटवर्ती देशों से आयात किया जा सकेगा ।

देश में अब तक 17.75 लाख हेक्टेयर में गर्मा दलहनों की बुआई की गई है जबकि पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 10.49 लाख हेक्टेयर में दलहनों को लगाया गया था। मध्य प्रदेश में 5.18 लाख हेक्टेयर , 3.15 लाख हेक्टेयर ,तमिलनाडु 2.19 लाख हेक्टेयर , उत्तर प्रदेश 1.42 लाख हेक्टेयर , गुजरात 77 हजार हेक्टेयर, पश्चिम बंगाल 75 हजार हेक्टेयर और ओडिशा 3.32 लाख हेक्टेयर में दलहनी फसलों को लगाया गया है।

मध्य प्रदेश में पिछले साल 3.82 लाख हेक्टेयर , बिहार में 1.71 लाख हेक्टेयर, तमिलनाडु में 1.69 लाख हेक्टेयर , उत्तर प्रदेश में 1.28 लाख हेक्टेयर , गुजरात में 58 हजार हेक्टेयर और पश्चिम बंगाल में 80 हजार हेक्टेयर में दलहनी फसलों को लगाया गया था। ओडिशा में इस बार बड़े पैमाने पर दलहनों को लगाया गया है।

कृषि मंत्रालय ने देश में दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से, खरीफ 2021 सत्र में कार्यान्वयन के लिए एक विशेष खरीफ रणनीति तैयार की है। राज्य सरकारों के साथ परामर्श के माध्यम से, अरहर, मूंग और उड़द की बुआई के लिए रकबा और उत्पादकता बढ़ाने दोनों के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की गई है। रणनीति के तहत, सभी उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवीएस) के बीजों का उपयोग करना शामिल है। केंद्रीय बीज एजेंसियों या राज्यों में उपलब्ध यह उच्च उपज की किस्म वाले बीज, एक से अधिक फसल और एकल फसल के माध्यम से बुआई का रकबा बढ़ाने वाले क्षेत्र में निःशुल्क वितरित किए जाएंगे।

खरीफ 2021 सत्र के लिए, 20,27,318 (वर्ष 2020-21 की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक मिनी बीज किट) वितरित करने का प्रस्ताव है। इन मिनी बीज किट्स का कुल मूल्य लगभग 82.01 करोड़ रुपये है। अरहर, मूंग और उड़द के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए इन मिनी किट्स की कुल लागत केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

दलहनों का वर्ष 2007-08 में 14.76 मिलियन टन के उत्पादन से यह आंकड़ा अब वर्ष 2020-2021 (दूसरा अग्रिम अनुमान) में 24.42 मिलियन टन तक पहुंच गया है जो कि 65 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि प्रदर्शित करता है।

कोरोना की स्थिति से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में इसकी दिशा देश में कोविड-19 महामारी की स्थिति और वैश्विक कारकों पर निर्भर करेगी।

कोविड-19 के नये मामलों में गत सप्ताह कमी देखी गई। इसके बावजूद हर दिन तीन लाख से अधिक लोग संक्रमित हो रहे हैं। संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए कई राज्य सरकारों द्वारा लॉकडाउन लगाने और बढ़ाने से बीएसई के सेंसेक्स में 473.92 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट रही। सप्ताहांत पर सेंसेक्स 48,732.55 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी सप्ताह के दौरान कुल 145.35 अंक यानी 0.98 प्रतिशत टूटकर 14,677.80 अंक पर आ गया। मझौली और छोटी कंपनियां भी दबाव में रहीं। बीएसई का मिडकैप 100.82 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की गिरावट में शुक्रवार को 20,507.79 अंक पर और स्मॉलकैप 17.56 अंक यानी 0.08 प्रतिशत लुढ़ककर 22,200.54 अंक पर आ गया।

स्टील के दाम बढ़ने से घरेलू मांग पर असर नहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार से कीमत अब भी कम : टाटा स्टील

नई दिल्ली। टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने कहा है कि इस्पात के दाम में वृद्धि से घरेलू बाजार में मांग पर असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ महीनों की तुलना में निश्चित रूप से स्टील के दाम बढ़े हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार के मुकाबले दर अभी भी कम हैं। स्टील का उपयोग निर्माण, वाहन, उपभोक्ता सामान आदि क्षेत्रों मेंहोता है। ऐसे में दाम बढ़ने पर इन क्षेत्रों पर असर पड़ सकता है। नरेंद्रन ने कहा, ''पिछले कुछ महीनों के मुकाबले निश्चित रूप से दाम तेज हैं लेकिन दुनिया के अन्य देशों की तुलना में यह अभी भी कम है।

हीरो मोटो कार्प अगले साल इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की तैयारी में जुटी

नई दिल्ली । दो पहिया वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख वाहन कंपनी हीरो मोटो कार्प अगले साल इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करने और इस खंड में उतरने पर विचार कर रही है। कंपनी इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र को लेकर उत्साहित है। इसके लिये वह अपने स्वयं का उत्पाद तैयार करने के लिये जयपुर (राजस्थान) और सटीफंसकिरचेन (जर्मनी) स्थित अपने अनुसंधान एवं विकास केंद्रों का उपयोग कर रही है। इसके अलावा उसने ताइवान की गोगोरो इंक के साथ गठजोड़ किया है। यह भागीदारी ताइवान की कंपनी की बैटरी अदला-बदली व्यवस्था को भारत लाने के लिये है। इस भागीदारी के तहत दोनों कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहन विकास में सहयोग का भी निर्णय किया है। हीरो मोटो कार्प के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) निरंजन गुप्ता ने विश्लेषकों के साथ बातचीत में कहा, ''हम 2021-22 में इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने का प्रयास कर रहे हैं। आपको इस मामले में कई गतिविधियां देखने को मिलेंगी। हम स्वयं का उत्पाद लाएंगे या अदला बदली वाला उत्पाद अथवा गोगोरो के साथ मिलकर उत्पाद ला सकते हैं।'' इस क्षेत्र के उपयोग को लेकर दो-पहिया वाहन विनिर्माता कंपनी पहले ही बेंगलुरु की ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) स्टार्टअप अथर एनर्जी में निवेश कर चुकी है। यह कंपनी पहले ही बाजार में उत्पाद ला चुकी है। इलेक्ट्रिक वाहन के बारे में कंपनी की रणनीति के बारे में गुप्ता ने कहा कि कंपनी के जर्मनी और जयपुर स्थित अनुसंधान एवं विकास केंद्र नियत चार्जिंग प्रणाली पर आधारित उत्पाद विकसित करने के काम कर रहे हैं।

विमान ईंधन पांच प्रतिशत महंगा

नई दिल्ली। विमान ईंधन की कीमतों में आज से पांच प्रतिशत का इजाफा किया गया है जिससे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमत 65 हजार रुपये प्रति किलोलीटर के करीब पहुंच गई है। विमान ईंधन के दाम इस महीने दूसरी बार बढ़ाये गये हैं। इससे पहले 01 मई को यह सात फीसदी के करीब महंगा हुआ था।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 16 मई से विमाई ईंधन की कीमत 3,080.25 रुपये यानी 4.99 प्रतिशत बढ़ाकर 64,770.53 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। दो बार में इसका मूल्य 6,965.25 रुपये बढ़ चुका है।

इसी तरह मुंबई में विमान ईंधन 3,094.12 रुपये यानी 5.17 प्रतिशत महंगा हुआ है और रविवार से इसकी कीमत 62,917.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। कोलकाता में यह 2,650.12 रुपये यानी चार प्रतिशत और चेन्नई में 3,279.05 रुपये यानी 5.20 फीसदी महंगा हुआ है। इसकी कीमत कोलकाता में अब 68,895.86 रुपये और चेन्नई में 66,374.41 रुपये प्रति किलोलीटर पर पहुंच गई है। विमान ईंधन की कीमतों की समीक्षा हर पखवाड़े की जाती है।

रामायण का संगीत शास्त्रीय गीत और आज के म्यूजिक का मिश्रण : राहुल शर्मा

संतूर वादक और संगीतकार राहुल शर्मा ने हालिया वेब सीरीज रामयुग के लिए गाना तैयार किया और गाया है, उनका कहना है कि वह शो के साउंडट्रैक के लिए शास्त्रीय और आधुनिक ध्वनियों का मिश्रण चाहते थे।

वास्तव में, वह कहते हैं कि उन्होंने सर्वश्रेष्ठ कलाकारों को प्रदर्शन के लिए लाने की कोशिश की क्योंकि वह सही मिश्रण चाहते थे।

उन्होंने बताया कि रामयुग रामायण के बारे में है, इसलिए निर्देशक कुणाल कोहली चाहते थे कि भारतीय शास्त्रीय दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संगीत आज की ध्वनियों के साथ मिल जाए। हर गीत के लिए, हमने विभिन्न संयोजनों पर काम किया। जय हनुमान गीत के लिए, मैंने अमिताभ (बच्चन) जी से इसे गाने का अनुरोध किया और जब वे सहमत हुए तो बहुत खुशी हुई। तब हमने सोचा कि उस्ताद जाकिर हुसैन ने गाने पर तबला बजाना एक अनूठा संयोजन होगा।

राहुल ने अपने पिता, प्रसिद्ध संतूर वादक और पद्म विभूषण प्राप्तकर्ता पंडित शिव कुमार शर्मा के साथ-साथ पद्म विभूषण प्राप्तकर्ता बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया का भी योगदान मांगा। साथ में, दोनों को शिव-हरि के रूप में जाना जाता था और उन्होंने कई बॉलीवुड हिट्स की रचना की थी, खास तौर से यश चोपड़ा की फिल्मे जैसे सिलसिला, चांदनी, लम्हे और डर।

राम-सीता थीम गीत के लिए, मेरे पास सोनू निगम थे और उनके साथ पद्म विभूषण पंडित शिव कुमार शर्मा और पंडित हरिप्रसाद चौरसिया संतूर और बांसुरी के साथ थे।

उन्होंने कहा, अन्य गीतों में उस्ताद राशिद खान, पंडित शामिल हैं। पखवाज पर भवानी शंकर, वीणा पर नारायण मणि और आखिर में, रावण थीम गीत जो मैंने गाया था। मुझे लगता है कि रामायण का विषय शास्त्रीय महान लोगों को आकर्षित करता है और निश्चित रूप से, मुझे शास्त्रीय और फिल्मी दुनिया का हिस्सा हुए 20 साल से ज्यादा हो गया है।

आज का राशिफल

मेष : परिवार में किसी सदस्य की अस्वस्थता से मन परेशान होगा। नाजुक संबंधों में छोटी-छोटी बातों का बुरा न माने। संघर्ष के इन दिनों में धैर्य और हिम्मत से काम लें।

वृषभ : गलतियां स्वीकारते हुए सगे-संबंधों में क्षमायाचना करें और शांत भाव से अच्छे कार्यो द्वारा प्राधित भी करें। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मिथुन : कोई सृजनात्मक कार्य पूर्ण होगा। भविष्य संबंधित योजनाएं मन में प्रभावित होंगी। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। सगे-संबंधियों अनुकूल नैतिक मर्यादा का पालन करें।

कर्क : निकट संबंधों में पारदर्शी व कर्तव्यनिष्ठ बने। आकस्मिक ढेर सारे तनाव मन पर प्रभावी होंगे। मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सान्निध्य प्राप्त होगा।

सिंह : निराशावादी विचारों का त्याग आशावादी बने। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या : मन अच्छे विचारों से सिंचित होगा। ऊंची-ऊंची महत्वाकांक्षाएं प्रगति के लिए प्रेरित करेंगी। नाजुक संबंधों के बीच भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनायें।

तुला : पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। बीते हुए व आने वाले कल के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान में जीने का प्रय करें। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। घरेलू दायित्वों की पूर्ति होगी।

वृश्चिक : मन ढेर सारे पूर्वाग्रहों से प्रभावित होगा। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। मन पर नियंतप्ररखें और कर्तव्यनिष्ठ बने। कार्यक्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव।

धनु : सगे-संबंधियों के प्रति शंका न पाले। मधुरवाणी से संबंधों को प्रगाढ़ बनाएंगे। जीवन साथी का भावनात्मक सेह प्राप्त होगा। मन धनागम की नई युक्ति यों पर केंद्रित होगा।

मकर : प्रणय संबंध को लेकर चिंतित होंगे। आर्थिक क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। अपने सुख-दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें।

कुंभ : किसी संबंध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना पड़ेगा। पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारने का प्रयास करें।

मीन : कुछ आर्थिक देनदारी मन को परेशान करेगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। कर्जदारों से कहासुनी संभव। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव।

घर पर बनाएं मूंग दाल की पूड़ी

मूंग दाल की कचौड़ी का तो स्वाद लिया होगा आपने लेकिन क्या मूंग दाल पूड़ी किया है ट्राय? अगर नहीं तो यहां जानें रेसिपी और वीकेंड पर बनाएं इसे लंच या डिनर में।

सामग्री :

गेहूं का आटा- 1/2 कप, बेसन- 2 बड़ा चम्मच, सूजी- 2 बड़ा चम्मच, तेल- 1 बड़ा चम्मच, दही- 2 बड़ा चम्मच, अजवाईन- 1/8 छोटा चम्मच, सौंफ- 1/4 छोटा चम्मच, हींग- 1 चुटकी, हल्दी पाउडर- 1/8 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, स्वादानुसार नमक

मूंग दाल का पेस्ट बनाने की सामग्री- धुली मूंग की दाल- 3/4 कप, अदरक- 1 टीस्पून कद्दूकस किया हुआ, हरी मिर्च- 2 कटी हुई, अजवाइन- 1/4 छोटा चम्मच, हींग- 1/8 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 3/4 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर- 1 टीस्पून, गरम मसाला पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, स्वादानुसार नमक, हरा धनिया- 3 बड़े चम्मच बारीक कटा हुआ, पूरियों को तलने के लिए तेल

विधि :

मूंग दाल का घोल बनाने के लिए मूंग दाल को धोकर एक घंटे के लिए पानी मे भिगो दें। धनिया पत्ती को छोड़कर सभी सामग्री को मिक्सर जार में डालें और बिना पानी डाले इसे पीसे, हल्का दरदरा घोल बनाएं, अगर जरूरी हो तो हल्का सा पानी छिड़कें। मिश्रण को कटोरे में निकालें और धनिया पत्ती मिलाएं।

आटा लगाने के लिए- एक परात में गेहूं का आटा, बेसन और सूजी लें। अजवाइन, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक, तेल और दही डालकर, सब कुछ ठीक से मिलाएं। आवश्यकतानुसार पानी डालें और आटे को गूंध लें। आटे पर तेल ब्रश करें, इसे कवर कर 10 मिनट के लिए रख दें। 10 मिनट के बाद आटे को एक बार फिर से गूंधें और इसे छोटे नींबू के आकार की लोई बनाने के लिए समान भागों में विभाजित करें।

पूरी बनाने की विधि

आटे की लोई लें और इसकी पूरी बेल ले। कांटे से पूरियो मे छेद करें। 1 टेबलस्पून मूंग दाल पेस्ट लेकर समान रूप से पूरियों पर फैलाएं। कड़ाही में पर्याप्त तेल गरम करें। पूरी को मीडियम गरम तेल में डालें, दाल का साइड नीचे की तरफ होना चाहिए। जब पूरी ऊपर उठ जाए तो इसे पलटें और दोनों तरफ से सुनहरा होने तक तलें। पूरी को पेपर नेपकिन पर निकाल लें। इसे आलू की सब्ज़ी, हरी चटनी या रायते के साथ गरमा-गरम परोसें।

बेटे तैमूर को याद कर भावुक हुई करीना कपूर खान, छलक आए आंसू

इसमे कोई दो राय नहीं है कि करीना कपूर खान बॉलीवुड की हॉट और ग्लैमरस मॉम है। करीना कपूर खान दो बच्चों की मां है। उन्होंने इस साल की शुरूआत में अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। उनके बड़े बेटे का नाम तैमूर अली खान है। जो अक्सर किसी ना किसी कारण सुर्खियों में बना रहता है। तैमूर अली खान बॉलीवुड की सबसे चर्चित और क्यूट स्टार किड है। जिसकी एक झलक पाने के लिए फैंस उतावले रहते है। बता दें कि करीना कपूर खान अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर परिवार की तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। उनके फैंस भी उनकी तस्वीरों को काफी पसंद करते है। अब करीना कपूर का एक पुराना वीडियो सामने आया है। जिसमे अभिनेत्री अपने लाडले बेटे तैमूर अली खान को याद करते रोने लगती है। बता दें कि करीना कपूर खान का ये वीडियो उनके डांस रिएलिटी शो डांस इंडिया डांस सीजन 7 का है। जिसमे अभिनेत्री नेशनल टीवी पर बेटे को याद कर भावुक हो जाती है और अपने आंसू नहीं रोक पाती है।

करीना कपूर खान के डांस इंडिया डांस 7 के दौरान तैमूर को याद कर इमोशनल हो जाती है। करीना कपूर खान के आंसू छलक पड़ते हैं। वो अपने इस वीडियो में तमैर को याद कर भावुक हो जाती है और खुद को रोक नहीं पाती। करीना कपूर कहती हैं कि, मैं समझ सकती हूं कि मां होना क्या होता है।

शब्द सामर्थ्य- 81

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

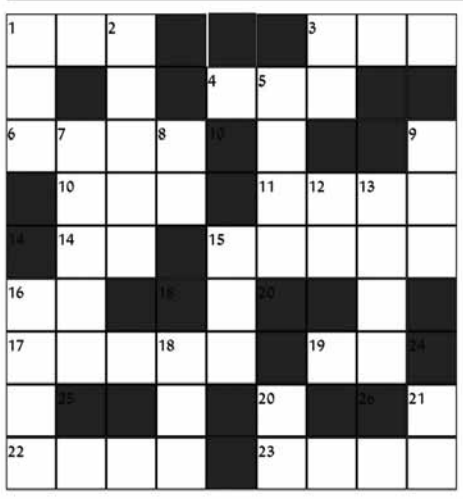

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सू-दोकू- 81

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6